



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 93]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 26, 1977 चैत्र 5 1899

No. 93]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 26, 1977 CHAITRA 5, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

NOTIFICATION

New Delh, the 26th March 1977

G.S.R. 130 (E).—Whereas the management of the undertaking of the Indian Iron and Steel Company Limited had vested in the Central Government by virtue of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the Indian Iron and Steel Company (Taking Over of Management) Act, 1972 (50 of 1972), and that Government is continuing to manage the undertaking of the said company

And whereas the said company has, in pursuance of a requisition made by its members, convened a general meeting and the company in general meeting has constituted a new Board of Directors

And whereas the Central Government is satisfied that the purposes of the vesting of the management of the undertaking of the said company in that Government have been fulfilled

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Indian Iron and Steel Company (Taking Over of Management) Act, 1972, the Central Government hereby relinquishes the management of the undertaking of the said company with effect from the 28th day of March, 1977

[No IND II-8(131)/76]

S D PRASAD Addl Secy

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1977

सा० का० नि० 130(अ).—भारतीय लोहा और इस्पात कंपनी (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1972 (1972 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में इंडियन आयरन एण्ड स्टील कंपनी लिमिटेड नामक उपक्रम का प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार में निहित हो गया था और वह सरकार उक्त कंपनी के उपक्रम का निरन्तर प्रबन्ध करती रही है,

और उक्त कंपनी ने उसके सदस्यों द्वारा की गई अध्ययन के अनुसरण में, एक ग्राम सभा आयोजित की थी और उस ग्राम सभा में कंपनी ने एक नए निदेशक बोर्ड का गठन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस सरकार में उक्त कंपनी के उपक्रम के प्रबन्ध को निहित करने के प्रयोजनों की पूर्ति हो गई है,

अतः, अब, भारतीय लोहा और इस्पात कंपनी (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1972 की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, 1977 के मार्च महीने के 28वें दिन से उक्त कंपनी के प्रबन्ध-ग्रहण का त्याग करती है।

[सं० उद्य० II-8(131) 76]

शिवराज देव प्रसाद, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977